

रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू

जयपुर, 21 नवम्बर (कास)। राजस्थान में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते सरकार ने 8 जिला मुख्यालयों पर रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू लगाया है। इनमें जयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर,

- राज्य मंत्रिमंडल की आपात बैठक में जयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर, अजमेर, अलवर व भीलवाड़ा में रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक का कर्फ्यू लगाने की घोषणा की
- इसके साथ ही मास्क नहीं पहनने पर 500 रु. जुर्माना वसूलने और बाजार शाम 7 बजे तक ही खुले रखने और विवाह समारोह में मात्र 100 लोगों की उपस्थिति की मंजूरी के आदेश भी दिए हैं।

अजमेर, अलवर और भीलवाड़ा शामिल हैं। इन शहरों में बाजार, ईस्को, शॉपिंग मॉल व अन्य वाणिज्यिक संस्थान शाम 7 बजे तक ही खोले जा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

14वीं बार सुनवाई टली

- जाल खंबाता -  
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -  
नई दिल्ली, 21 नवम्बर। विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए गए गोवा के एक दर्जन विधायकों के दो कैसों की सुनवाई अब

- गोवा में दलबदल करने वाले एक दर्जन विधायकों को अयोग्य ठहराने के संबंधी दो मामलों की सुनवाई 26 नवम्बर तक के लिए टल गई है। गौरतलब है कि इन सभी विधायकों ने भाजपा के पक्ष में दलबदल किया था।

26 नवम्बर को होगी क्योंकि चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) शरद अरविन्द बोबडे की अध्यक्षता वाली जिस बेंच को सोमवार को इन कैसों की सुनवाई करनी थी, वह उस दिन नहीं बैठ रही है। कम्प्यूटर आधारित लिस्टिंग में अब कहा गया है कि अब इन कैसों की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## चीन 10 लाख संक्रमितों को वैक्सीन लगा चुका है!

पर चीन की वैक्सीन पूर्णतया "टैस्टेड" नहीं है, जिसके मरीज पर दूरगामी प्रभाव/दुष्प्रभाव क्या होंगे, कहना मुश्किल है

- अंजन राय -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। वैक्सीन को लेकर, दो अलग-अलग किस्म के परिदृश्य उभर कर आ रहे हैं। जहाँ विकसित देशों में वैक्सीन संबंधी सुरक्षा का आकलन अभी तक चल ही रहा है, वहीं चीन में 10 लाख लोगों को ऐसी वैक्सीन दी जा चुकी है, जिनके बारे में अभी तरह सिद्ध नहीं हुआ था कि वे कारगर एवं सुरक्षित हैं।

इस प्रकार चीनी लोग खराब वैक्सीनेशन के जबरदस्त जोखिम में हैं। फायज़र, जिसने सबसे पहले एक सफल वैक्सीन की घोषणा की थी, अब वैक्सीनेशन के प्रारम्भिक दौर के लिये, अमेरिकन फूड एंड ड्रग्स अथॉरिटी (एफ.डी.ए.) से आपातकालीन वितरण (इमर्जेंसी डिस्पेंसेशन) की अनुमति माँगी रही है।

एफ.डी.ए., इस वैक्सीन को सार्वजनिक उपयोग के लिये जारी करने की अनुमति देने से पहले, इस वैक्सीन के सुरक्षित होने संबंधी तथा इसके साइड इफेक्ट्स के डेटा का परीक्षण-विश्लेषण करेगा। कंपनी ने कहा कि वह एफ.डी.ए. का अनुमोदन मिलने के 10 घंटे के अन्दर ही, इस वैक्सीन का

- दूसरी ओर अमेरिका की फायज़र कंपनी, की वैक्सीन के "ट्रायल व टैस्ट" हो चुके हैं तथा कंपनी अमेरिका की सरकार पर दबाव लगा रही है, कि लालफितीशाही त्याग कर वैक्सीन को बाज़ार में बेचने की इज़ाजत दे दे। यह वैक्सीन जनवरी तक बिक्री के लिए बाज़ार में आ जायेगी।

- पर, भारत इसका लाभ नहीं उठा सकेगा आनन-फानन में, क्योंकि इसकी कीमत 60-70 डॉलर प्रति वैक्सीन है तथा उसे 70 डिग्री तापमान पर ही स्टोर किया जा सकता है। यह भारत में संभव नहीं, क्योंकि इतनी "ड्राई-आईस" (सॉलिड कार्बन डाइऑक्साइड) ही उपलब्ध नहीं है।

- एक और दिक्कत है, कि जिस संक्रमित को एक बार वैक्सीन का इंजेक्शन लग गया, चाहे वह वैक्सीन "टैस्टेड" हो या "अनटैस्टेड", उस संक्रमित पर दूसरा वैक्सीन का इंजेक्शन नहीं लगाया जा सकता।

- अतः वैक्सीन लगाने के मामलों में भारत के समक्ष काफी दुविधा है, और केवल "ऑक्सफोर्ड" द्वारा विकसित वैक्सीन से ही आशा है।

वितरण शुरू करने की स्थिति में है।

एफ.डी.ए. अपना अनुमोदन दिसम्बर के पूर्वार्द्ध तक दे सकता है

जिससे कि अगले वर्ष जनवरी से इसका वास्तविक वितरण शुरू हो सके। इसका अर्थ होगा- वैक्सीन के निर्माण की

शुरूआती प्रक्रिया शुरू होने के 10 माह के अन्दर इसका वितरण शुरू हो जायेगा। यह अपने आप में एक असाधारण तथ्य माना जायेगा क्योंकि किसी वैक्सीन/दवा की निर्माण-प्रक्रिया की शुरूआत से लेकर वितरण प्रक्रिया शुरू होने में सामान्यतः 8 से 10 साल का समय लगता है।

किसी नई वैक्सीन को अंतिम रूप से जारी करने में इतना ज्यादा समय लगने का कारण होता है- इसके पूरी तरह सुरक्षित एवं निरापद होने के बारे में पूरी तरह आश्वासन होना। किसी दवा को सार्वजनिक उपयोग के लिये जारी किये जाने से पहले, उसे क्लिनिकल ट्रायल तथा इसके साइड इफेक्ट्स के परीक्षण की कठोर एवं श्रमसाध्य प्रक्रिया से गुज़रना होता है।

फायज़र के सी.ई.ओ. डॉ. अल्बर्ट बोरिआ ने कहा कि त्वरित वितरण के किया गया आवेदन "दुनिया को वैक्सीन उपलब्ध कराने के कंपनी के प्रयासों में मील का पत्थर था।" लेकिन यह बात संदेहपूर्ण है कि दुनिया इसका उपयोग कितने समय तक कर पायेगी। वैक्सीन के बाजार में आने से संबंधित तमाम आशाओं और अपेक्षाओं के बावजूद, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नगरोटा मुठभेड़ पर पाक से जवाब तलब

- जाल खंबाता -  
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -  
नई दिल्ली, 21 नवम्बर। भारत ने पाकिस्तान उच्चायोग में उच्चायुक्त की एवज में काम-काज संभाल रहे अधिकारी को शनिवार को तलब कर दो दिन पूर्व नगरोटा में हुई मुठभेड़ को लेकर कड़ा विरोध दर्ज किया।

भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जे.ई.एम.) द्वारा सुनियोजित आतंकी हमले के प्रति गहरी चिंता व्यक्त की। जे.ई.एम. संयुक्त राष्ट्र संघ के अलावा

- भारत सरकार ने पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी अधिकारी को बुलाकर नगरोटा मुठभेड़ मामले पर कड़ी चेतावनी दी।

भारत और कई देशों में प्रतिबंधित है। इस माह की 19 तारीख को जम्मू और कश्मीर के नगरोटा में भारतीय सुरक्षा बलों ने एक बड़े आतंकवादी हमले को विफल किया था। अपनी जमीन से इस प्रकार के हमलों की अनुमति देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए उसे चेतावनी दी थी।

पाकिस्तान उच्चायोग के इस अधिकारी को दो टूक कहा गया, कि पाकिस्तान अपनी जमीन से संचालित हो रहे आतंकी संगठनों और आतंकवादियों का सहयोग करने की नीति से बाज आए और अन्य देशों में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## राजस्थान में कोरोना संक्रमण के अब तक के सभी रिकॉर्ड टूटे

राज्य में शनिवार को पहली बार एक ही दिन में अब तक के सर्वाधिक 3007 संक्रमित सामने आए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 21 नवम्बर। प्रदेश में बेकावू होते कोरोना संक्रमण ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। राज्य में शनिवार को पहली बार एक ही दिन में अब तक के सर्वाधिक 3 हजार से ज्यादा संक्रमित सामने आए हैं। वहीं राजधानी

मामला सामने नहीं आया है। हालांकि जयपुर में पिछले 6 दिनों में चार बार पांच सौ से ज्यादा संक्रमित मिल चुके हैं। उधर आज जोधपुर में 444, बीकानेर में 215, अजमेर में 210, कोटा में 203, अलवर में 139, संक्रमित सामने आए हैं। गंगानगर में 115,

- राजधानी जयपुर में भी कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 551 मामले मिले हैं।
- प्रदेश में कोरोना से रिकवर होने वाले मरीजों की दर 90 फीसदी से कम हुई, जबकि एक्टिव केस 9.12 प्रतिशत हो गए हैं।
- इस बीच राज्य में कोरोना संक्रमण से शनिवार को 16 और लोगों की मौत हो गई है।

जयपुर में भी रिकॉर्ड 551 संक्रमित मिले हैं। इस बीच प्रदेश में कोरोना से 16 और लोगों की मौत हो गई। उधर रिकवरी रेट भी 90 फीसदी से नीचे आ गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार प्रदेश के 32 जिलों में शनिवार को 3007 कोरोना संक्रमित मिले हैं। हालांकि आज करौली जिले में संक्रमण का कोई भी

सोकर में 95, नागौर में 94, टोंक में 85, पाली में 84, उदयपुर में 82, भरतपुर में 56, चित्तौड़गढ़ में 55, बाड़मेर में 53, झुंझुनूं में 46, सर्वाइ माधोपुर में 43, डूंगरपुर में 39, बारां में 31, दौसा में 30, बूंदी में 29, चूरु में 28, राजसमंद में 27, हनुमानगढ़ में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## भारतीय मूल की माला अडिगा, "फर्स्ट लेडी" की नीति सलाहकार नियुक्त

- सुकुमार साह -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। भारतीय अमेरिकियों की प्रतिभा एवं योग्यता के प्रति सम्मान दर्शाने वाला एक और कदम उठाते हुये, अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने माला अडिगा को जिल बाइडन का पॉलिसी डायरेक्टर नियुक्त कर दिया है। ज्ञातव्य है कि 20 जनवरी 2021 को जिल बाइडन विधिवत अमेरिका की "फर्स्ट लेडी" (प्रथम महिला) बन जायेंगी। यह भारतीय अमेरिकियों के प्रति दर्शाया गया तीसरा सम्मान है- सबसे पहले कमला हैरिस को जो बाइडन के डिप्टी उप राष्ट्रपति पद के नामजद किया गया था तथा उसके बाद, डॉ. विवेक मूर्ति को बाइडन प्रशासन के कोविड-19 एडवाइजरी बोर्ड का सह-अध्यक्ष (को-चेयरमैन) बनाया गया था।

अडिगा, जिल बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार तथा बाइडन- हैरिस प्रचार अभियान वरिष्ठ पॉलिसी एडवाइजर रह चुकी हैं। इससे पहले वे, बाइडन फाउन्डेशन में हायर एजुकेशन एवं मिलिट्री फैमिलीज की निदेशक रह चुकी हैं। ग्रिनेल कॉलेज, युनिवर्सिटी

ऑफ़ मिनेसोटा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ तथा शिकागो विश्वविद्यालय के लॉ स्कूल की स्नातक, माला अडिगा पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के शासनकाल में, ब्यूरो ऑफ़ एजुकेशनल एंड कल्चरल अफेयर्स में एकेडमिक प्रोग्राम्स डिप्टी असिस्टेंट

- कमला हैरिस के उपराष्ट्रपति बनने तथा डॉ. विवेक मूर्ति के कोविड-19 की सलाहकार समिति का को-चेयरमैन बनने के बाद अमेरिका के सर्वोच्च अधिकारियों की पंक्ति में माला तीसरी भारतीय हैं।

- डॉ. माला अडिगा भी कमला हैरिस की भांति वकील हैं, तथा ओबामा के प्रशासन में असिस्टेंट सेक्रेट्री ऑफ़ स्टेट थी ब्यूरो ऑफ़ एजुकेशन व कल्चरल अफेयर्स में।

सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट, सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट्स ऑफ़िस ऑफ़ ग्लोबल वीमैन्स में चीफ ऑफ़ स्टाफ़ एवं ऐम्बेसडर-एट-लार्ज की वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, वे नेशनल सिक्योरिटी स्टॉफ़ (एन.एस.एस.) के मल्टीलेटरल एंड ब्रूमन राइट्स डायरेक्ट्रेट में मानवाधिकार निदेशक भी रह चुकी हैं। एन.एस.एस. में आने से पहले, वे न्याय विभाग में अटॉर्नी थीं।

बराक ओबामा की चुनाव मुहिम में शामिल होने से पूर्व इण्डियाना के उत्तरी जिले में जिला न्यायालय के जज फिलिप नियॉन के लिए लिपिक का काम किया था। उन्होंने ओबामा प्रशासन में अपना काम एग्रेसिव अटॉर्नी जनरल के काउन्सिल के रूप में शुरू किया था। जो बाइडन ने जब वाइट हाउस स्टाफ़ के चार नए सीनियर सदस्यों की घोषणा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## ना सिर्फ सचिन पायलट समर्थकों को दरकिनार किया जा रहा है, डोटासरा भी अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं

नगर निगम के चुनाव हों या जिला परिषद पंचायत समिति के चुनाव, डोटासरा की भूमिका बहुत सीमित रही है

जयपुर, 21 नवंबर (का.प्र.)। राजस्थान में 12 जिलों की 50 निकायों में होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस ने नामांकन तिथि के 2 दिन पहले पर्यवेक्षक तैनात किए हैं। कहा तो यह जा रहा है कि यह पर्यवेक्षक इन निकायों में जाकर वार्डवार तीन तीन नामों का पैनाल तैयार करके उसके बाद उम्मीदवारी तय करेंगे, लेकिन कांग्रेस की 1998 के बाद से शुरू हुई परंपरा के अनुसार यह पर्यवेक्षक निकायों में सिर्फ पत्र वाहक की भूमिका निभाते हैं, क्योंकि जिस तरह से कांग्रेस में परंपरा डाल दी गई है कि विधायक या विधायक उम्मीदवार जो तय कर देंगे वही व्यक्ति सिंबल प्राप्त करके पार्टी का उम्मीदवार बन जाएगा। हाल ही में नगर निगम में

- हूए चुनाव में या फिर जिला परिषद और पंचायत समिति में टिकटों का वितरण हो, जहाँ भी पर्यवेक्षक तो बनाए गए, लेकिन उनकी भूमिका सिर्फ सिंबल ले लेना है।
- पर्यवेक्षकों की सूची मुख्यमंत्री खेमा तैयार करता है और पीसीसी उसे जारी करती है।
- यही कारण है कि नए प्रदेश अध्यक्ष आने के बाद से पीसीसी में सन्नटा पसरा रहता है।
- पर्यवेक्षकों की भूमिका भी सिर्फ सिंबल ले जाकर विधायकों को सौंपने तक की नज़र आ रही है।

या विधायक उम्मीदवारों की मर्जी से होना है, तो पर्यवेक्षकों की भूमिका सिंबल ले जाकर वहां देने तक की रह जाती है। ऐसे में पार्टी को चाहे संगठन के क्षेत्रों में संगठन या विधानसभा चुनाव लड़े कांग्रेस के उम्मीदवारों को ही नकार दिया है, जिन क्षेत्रों में निर्दलीय विधायक हैं और उन्होंने सरकार का साथ दिया था। उन क्षेत्रों में निर्दलीय या बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों के अलावा सरकार के साथ रहे अन्य पार्टियों के विधायकों के हिसाब से जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव में सिंबल का वितरण किया गया है। कई विधानसभा क्षेत्र तो ऐसे हैं जहाँ निर्दलीय और अन्य पार्टियों को तबज्जो देने के बाद कांग्रेस से जुड़े कई नेताओं ने बगावत का झंडा बुलंद किया है। ऐसे में समझा जा सकता है कि कांग्रेस में पर्यवेक्षक बनाना और उनकी भूमिका (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्तर पर कितना ही नुकसान क्यों न हो जाए, इस परंपरा को कांग्रेस बदलने को तैयार नहीं है। मजेदार बात तो यह भी है कि इस बार तो कांग्रेस ने उन विधानसभा

## शुक्रिया राजस्थान

72% PROJECT SOLD OUT

Flat Type	Old Rate	Rate Hike	New Rate
2 BHK	45 Lacs	2 Lacs	47 Lacs
3 BHK	60 Lacs	3 Lacs	63 Lacs
4 BHK	75 Lacs	4 Lacs	79 Lacs
2 BHK Penthouse	60 Lacs	5 Lacs	65 Lacs SOLD OUT
3 BHK Penthouse	75 Lacs	5 Lacs	80 Lacs SOLD OUT

ONLY FEW UNITS LEFT

FIXED RATE NO BARGAINING...!!!

Kedia's THE PALM  
A RETREAT FOR THE ELITE

Near Rangoli Gardens, Vaishali Extension, Jaipur

For more details, Call: 7877-07-27-37 | Toll Free: 1800-120-2323

Rera No.: RAJ/P/2020/1274 | http://rera.rajasthan.gov.in